25TH January 2025
RAWATSAR P.G. COLLEGE
SBSAIB-2025
National Seminar on 'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika'

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के साथ व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए संभावित चुनौतियां और अवसर

डॉ. मीना नागदा, सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय , गुरू नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय Email- nagdameena15@gmail.com

सारांश

"AI हमारे जीवन को सुरक्षित और उत्पादक बना सकता है, बशर्ते इसे नैतिक मूल्यों और मानवीय हितों के अनुरूप विकसित किया जाए।''

–एलन मस्क

व्यक्तिगत सुरक्षा एक व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। यह एक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और गरिमा की रक्षा करने के लिए आवश्यक है। व्यक्तिगत सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो हमारे दैनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आगमन ने व्यक्तिगत सुरक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसी तकनीक है जो कम्प्यूटरों को मानव जैसी बुद्धिमत्ता प्रदान करती है। वर्तमान में एआई का विकास तेजी से बढ़ रहा है और इसका प्रभाव व्यक्तिगत जीवन के साथ–साथ उसकी सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमता (AI) आधुनिक तकनीक की एक क्रांतिकारी उपलब्धि है, जिसने मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। AI ने व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए कई नए अवसर पैदा किए हैं, AI ने व्यक्तिगत सुरक्षा को कई तरीकों से सशक्त किया हैः– साइबर सुरक्षा, बायोमेट्रिक सुरक्षा, स्मार्ट सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य और मानसिक सुरक्षा, आपातकालीन सेवाएं आदि। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने आज व्यक्ति के जीवन के हर पहलु को प्रभावित किया है जैसे उसके सीखने की क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान की क्षमता आदि में परिवर्तन आया है लेकिन आज व्यक्ति को एआई के कारण अनेक चुनोतियों का सामना भी करना पड रहा है सबसे बड़ी चुनोती उसकी निजता और सुरक्षा की है जैसे उसकी व्यक्तिगत जानकारी की चोरी होना, गोपनीयता का उल्लंघन, डीपफेक के माध्यम से उसके झूठे विडियो बनाकर और आवाज का गलत फायदा उठाना, साइबर अपराध, तकनीकी निर्भरता बढ़ाना, भेदभाव और पक्षपात, बेरोजगारी बढ़ाना और साथ ही नैतिकता का पतन होना आदि। AI के साथ व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम और नैतिकता का पालन आवश्यक है। डेटा संरक्षण, AI की पारदर्शिता, और उपयोगकर्ताओं को इसके खतरों के प्रति शिक्षित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। AI व्यक्तिगत सुरक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खोलता है, लेकिन इसके खतरों से बचने के लिए एक संतुलित और सतर्क दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है। जब AI को जिम्मेदारी से उपयोग किया जाएगा, तो यह मानव जीवन को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके लिए सरकारी को नीतियों का निर्माण करना होगा और व्यक्ति को भी स्वयं अपनी सुरक्षा के लिए सजग रहना होगा तभी वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमता व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए एक वरदान और चुनौती दोनों है। इसके माध्यम से हम अपनी सुरक्षा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं, लेकिन इसके खतरों को नजरअंदाज करना भी घातक हो सकता है। आवश्यकता है कि हम इसके सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा दें और इसके खतरों से निपटने के लिए सतर्कता और सावधानी बरतें। AI के सतत विकास के साथ, एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर ही हम व्यक्तिगत सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं और इस क्रांति का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।